प्र०। निम्नलिखित पंक्तियों का संदर्भ, प्रसंग सहित भावार्थ (अर्थ) लिखो :-

(क) हे समय - - - - - - - टिकने वाला था।

सन्दर्भ- यह पंक्तियाँ हमारी पाठ्य-पुस्तक के पाठ-1 इतिहास बनाया करते है 'कविता' से ली गई है।इसके कवि श्री गोपालप्रसाद व्यास जी है।

प्रसंग- इन पंक्तियो मे कवि ने एक महान पुरुष की वीरता का बखान किया है। जिसका नाम 'नेताजी सुभाष चन्द्र बोस था।

अर्थ- कवि श्री गोपालप्रसाद व्यास जी कहते है समय बड़ा बलवान है। बहुत शक्तिशाली है। इसके आगे पर्वत भी झुक जाते है। कई लोग समय का सदुपयोग नही करते और कुछ वीर पुरुष अपना इतिहास बना जाते है। आज हम ऐसे ही एक शूरवीर के चरित्र का वर्णन करेंगे। जिसकी गाथा उनके ही खून से लिखी हो। 'जय हिंद' नारा उनकी पहचान है। वे भारत भूमि के प्रकाश थे। उनका नाम नेताजी सुभाषचन्द्र बोस था।

उनके जन्म पर ही ज्योतिषी ने उनके भविष्य के बारे में बता दिया था वे एक वीर सम्राट होंगे जो सांसारिक सुख-साधनो को छोड़कर भारतभूमि के प्रति अपने कर्तव्यो को निभाएगा। उनके त्याग, बलिदान को भारत के वासी युगों युगों तक याद करेंगे। उसी वीर योद्धा को अंग्रेज़ शासको ने कारावास (जेल) में बंद कर दिया लेकिन क्या कभी क्रोधित शेर भी पिंजरे में रहता है।

(2) बाँधे जाते - - - - - - - फौज से जानी है।

सन्दर्भ -

प्रसंग -

अर्थ- कवि श्री गोपालप्रसाद व्यास जी कहते है इंसान को बाँध सकते हो तूफ़ान को नही, शरीर को बाँध सकते है। इरादो को नही। सुभाषचन्द्र बोस तो एक दृढ़-निश्चय सैनिक थे। जो अवसर पाते ही अंग्रेज़ो की कैद से निकल गए।

जिस प्रकार दुष्ट-दुर्योधन से बचकर श्री कृष्ण आये थे। तथा शिवाजी ने मुग़लो के प्रहरी को चखमा दिया था। उसी प्रकार नेताजी सुभाषचन्द्र बोस भी जनवरी सन् इकतालीस 1941 मे पिंजरे से आजाद हो गए। वे कहाँ गए, कहाँ रहे यह आज तक भी धुँधली कहानी है। जो किसी को भी नही पता। यह गाथा तो हमने आजादी के वीर सैनानियों से सुनी है।

अभ्यास

प्र.1 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखो :-

(क) 'जय हिंद' की निशानी किसके रक्त कणों से लिखी गई ?

उत्तर- 'जय हिंद' की निशानी वीर के रक्त (खून) से लिखी गई।

(ख) ज्योतिषियों ने सुभाष के बारे में क्या भविष्यवाणी की थी?

उत्तर- ज्योतिषियो ने भविष्यवाणी की थी कि वे एक महान पुरुष होगें। जो भारत को आजादी दिलाने के लिए सभी सुख-साधनों को त्याग कर मातृभूमि के प्रति अपना फ़र्ज निभाएगें। जिसकी प्रतिष्ठा (गौरव) को भारतवासी युगों-युगों तक याद रखेगें।

Expt. No. Date

(एक कॉपी में करें)

बात सोच की (कोई एक कीजिए)

प्र.1 स्वतंत्रता प्राप्ति से पहले की और की राष्ट्रीयता में किस प्रकार का अंतर देखने को मिलता है? कारण सहित बताइए।

प्र.2 एक विद्यार्थी के रूप में देश-भक्ति की मुहिम में आप क्या योगदान दे सकते हैं?

प्र.3 काव्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

जिस तरह धूर्त दुर्योधन से बचकर यदुनंदन आए थे,
जिस तरह शिवाजी ने मुगलों के पहरेदार छकाए थे।
बस उसी तरह यह तोड़ पिंजरा तोते-सा बेदाग गया,
जनवरी माह सन् इकतालीस मच गया शोर वह भाग गया
वे कहाँ गए, वे कहाँ रहे, ये धूमिल अभी कहानी है,
हमने तो उसकी नई कथा आजाद फौज से जानी है।

1 सुभाष की कहानी में धूर्त दुर्योधन आप किसे कहेंगे?
2 मुगलों के पहरेदारों को किसने छकाया?
3 जनवरी 1941 में कौन और कहाँ से भाग गया?
4 सुभाष चंद्र बोस के विषय में किससे सूचना मिली?
5 सुभाष चन्द्र बोस कहाँ गए, कहाँ रहे - ये कैसी कहानी है?

प्र.4 कौन सा नारा किसके द्वारा दिया गया है नाम लिखो:-

1 'जय जवान, जय किसान' ____________

2 'जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान' ____________

Teacher's Signature: ____________

Date .....

Expt. No. .....

Page No. 7

3 'स्वराज्य मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है।' ——

4 'साइमन वापस जाओ' ——

5 'दिल्ली चलो' ——

6 'आराम हराम है' ——

7 'करो या मरो' ——

8 'इंकलाब जिंदाबाद' ——

9 'वंदे मातरम्' ——

10 'सारे जहाँ से अच्छा हिंदोस्ता हमारा' ——

11 'सरफरोशी की तमन्ना अब हमारे दिल में है' ——

Teacher's Signature :

ग सुभाषचंद्र बोस को 'पारा' क्यो कहा गया है?
उत्तर सुभाषचन्द्र बोस एक प्रतिज्ञापूर्ण, शक्तिशाली पुरुष थे इस लिए उन्हे 'पारा' कहा गया है।

घ यहाँ क्रुद्ध शेर किसे कहा गया है और क्या कहा गया है?
उत्तर यहाँ क्रुद्ध शेर सुभाषचन्द्र बोस को कहा गया है तथा कवि ने शेर की संज्ञा देते हुए नेताजी सुभाषचन्द्र बोस के बारे में कहाँ की वीर पुरुष कभी कैद में नहीं रह सकते।

ङ धूर्त दुर्योधन की चाल से कौन बचकर आए थे?
उत्तर- धूर्त दुर्योधन की चाल से भी कृष्ण (यदुनंदन) आये थे।

व्याकरण

प्र.2 दिए गए शब्दो के दो-दो पर्यायवाची लिखिए।

क वीर - बहादुर श्रेष्ठ बलशाली हिम्मतवाला
ख जेल - कैदखाना कारावास कारागृह
ग काया - शरीर देह बदन
घ धूर्त - धोखेबाज कपटी चतुर
ङ कथा - गाथा किस्सा दास्तान
च पुरुष - मनुष्य मानव मनुज

Teacher's Signature : _____

Class - 7

Expt. No. ..... पाठ - 1 Date .....

इतिहास बनाया करते हैं Page No. 1

शब्दार्थ - कवि - श्री गोपाल प्रसाद व्यास जी हैं

प्रबल - अधिक शक्तिशाली

अनुपम - उपमा रहित

रक्त - खून

उजियारा - उजाला

गणिकों - गणना करने वाला ज्योतिषी

नौकरशाही - कर्मचारियों द्वारा संचालित शासन - प्रबंध

केहरी - शेर

काया - शरीर

यदुनंदन - कृष्ण

धूमिल - धुँधला

Teacher's Signature : _____

बाँधे जाते इनसान, कभी तूफ़ान न बाँधे जाते हैं,
काया[8] ज़रूर बाँधी जाती, बाँधे न इरादे जाते हैं।
वह दृढ़-प्रतिज्ञ सेनानी था, जो मौका पाकर निकल गया,
वह पारा था अंग्रेज़ों की मुट्ठी में आकर फिसल गया।

जिस तरह धूर्त दुर्योधन से, बचकर यदुनंदन[9] आए थे,
जिस तरह शिवाजी ने मुग़लों के पहरेदार छकाए थे।
बस उसी तरह यह तोड़ पिंजरा, तोते-सा बेदाग़ गया,
जनवरी माह सन इकतालीस, मच गया शोर वह भाग गया।
वे कहाँ गए, वे कहाँ रहे, ये धूमिल[10] अभी कहानी है,
हमने तो उसकी नई कथा, आज़ाद फ़ौज से जानी है।

शब्दार्थ

8. शरीर; 9. कृष्ण; 10. धुँधला, मटमैला

लेखक-परिचय

पंडित गोपालप्रसाद व्यास हिंदी के प्रमुख साहित्यकार थे। इ
मथुरा (उत्तर प्रदेश) हुआ था। ये ब्रजभाषा और पिंगल के मर्म
व्यंग्य-विनोद की नई धारा के जनक भी माने जाते थे। इनकी
सागर, कदम-कदम बढ़ाए जा, रंग, जंग और व्यंग्य आदि रचना
हैं। इन्हें भारत सरकार ने पद्मश्री, दिल्ली सरकार ने शलाक सम्
भारती सम्मान से विभूषित किया था।

अभ्यास

बात पाठ की

7
12
19
26
32
33
37
44
51
57
63
70
78
79
84
91
99
105
113

1

इतिहास बनाया करते हैं

पाठ-प्रवेश

इतिहास की रचना करने वाले वीर पुरुष विरले ही होते हैं। ऐसे वीरों का गुणगान यह भारतभूमि युगों-युगों तक करती है और करती रहेगी। 'आज़ाद हिंद फ़ौज' के संस्थापक वीर सुभाष ने अनेक प्रकार से अंग्रेज़ों को मात दी और 'जय हिंद' का नारा लगाया।

है समय नदी की बाढ़ कि जिसमें सब बह जाया करते हैं,
है समय बड़ा तूफ़ान प्रबल[1] पर्वत झुक जाया करते हैं।
अकसर दुनिया के लोग समय में चक्कर खाया करते हैं,
लेकिन कुछ ऐसे होते हैं, इतिहास बनाया करते हैं।

यह उसी वीर इतिहास-पुरुष की अनुपम[2], अमर कहानी है,
जो रक्त[3] कणों से लिखी गई, जिसकी जय हिंद निशानी है।
प्यारा सुभाष, नेता सुभाष, भारत भू का उजियारा[4] था,
पैदा होते ही गणिकों[5] ने जिसका भविष्य लिख डाला था।

यह वीर चक्रवर्ती होगा, त्यागी होगा या संन्यासी,
जिसके गौरव को याद रखेंगे, युग-युग तक भारतवासी।
सो वही वीर नौकरशाही[6] ने, पकड़ जेल में डाला था,
पर क्रुद्ध केहरी[7] कभी नहीं फंदे में टिकने वाला था।

शब्दार्थ

1. अधिक शक्तिशाली; 2. उपमा रहित; 3. खून; 4. उजाला;
[illegible] कर्मचारियों द्वारा संचालित

.सं.
7
12
19
26
32
33
37
44
51
57
63
70
78
79
84
91
99
105
113

1

इतिहास बनाया करते हैं

पाठ-प्रवेश

इतिहास की रचना करने वाले वीर पुरुष विरले ही होते हैं। ऐसे वीरों का गुणगान यह भारतभूमि युगों-युगों तक करती है और करती रहेगी। 'आज़ाद हिंद फ़ौज' के संस्थापक वीर सुभाष ने अनेक प्रकार से अंग्रेज़ों को मात दी और 'जय हिंद' का नारा लगाया।

है समय नदी की बाढ़ कि जिसमें सब बह जाया करते हैं,
है समय बड़ा तूफ़ान प्रबल[1] पर्वत झुक जाया करते हैं।
अकसर दुनिया के लोग समय में चक्कर खाया करते हैं,
लेकिन कुछ ऐसे होते हैं, इतिहास बनाया करते हैं।

यह उसी वीर इतिहास-पुरुष की अनुपम[2], अमर कहानी है,
जो रक्त[3] कणों से लिखी गई, जिसकी जय हिंद निशानी है।
प्यारा सुभाष, नेता सुभाष, भारत भू का उजियारा[4] था,
पैदा होते ही गणिकों[5] ने जिसका भविष्य लिख डाला था।

यह वीर चक्रवर्ती होगा, त्यागी होगा या संन्यासी,
जिसके गौरव को याद रखेंगे, युग-युग तक भारतवासी।
सो वही वीर नौकरशाही[6] ने, पकड़ जेल में डाला था,
पर क्रुद्ध केहरी[7] कभी नहीं फंदे में टिकने वाला था।

शब्दार्थ

1. अधिक शक्तिशाली; 2. उपमा रहित; 3. खून; 4. उजाला;
... 6. कर्मचारियों द्वारा संचालित

प्र3 दिए गए शब्दों में से चुनकर विशेषण और विशेष्य के जोड़े बनाइए।

[धूर्त, प्यारा, पर्वत, प्रबल, कहानी, सुभाष, अमर सेनानी, दुर्योधन]

विशेषण		विशेष्य
धूर्त	-	दुर्योधन
प्यारा	-	सुभाष
प्रबल	-	पर्वत
कहानी	-	अमर सेनानी

प्र.4 'र' के रूपों को ध्यान में रखकर वर्ण-विच्छेद कीजिए

क प्रबल = प् + र + अ + ब् + अ + ल् + अ

ख पर्वत - प् + अ + र + व् + अ + त् + अ

ग प्रतिज्ञ - प् + र् + अ + इ + त् + ज् + ञ + अ

घ क्रुद्ध - क् + र् + उ + द् + ध् + अ

ङ. धूर्त - ध् + ऊ + र् + त् + अ

जिज्ञासा - जानने की इच्छा

समाधान - हल

आसीन - बैठा हुआ,

आलोचना - गुण-दोष निरूपण

निरर्थक - बिना किसी अर्थ के

संवेदनहीन - जिसमें भावनाएँ न हों

Class - 7
Sub - Hindi

पाठ - 2

संतति

शब्दार्थ -

स्मृतियाँ - याद

कर्कश - तीव्र कटु

तंद्रा - ऊँघ

क्षीण काया - कमजोर शरीर

धूल - धूसरित - धूल में लिपटे हुए

अनुमति - इजाजत

बोहनी - पहली बिक्री

प्रवृत्ति - आचार व्यवहार

अनुनय-विनय - प्रार्थना

व्याकरण

अनुस्वार (ं)

अनुस्वार (ं) के स्थान पर यदि किसी वर्ग का वर्ण आता है तो उस वर्ग का पंचम वर्ण लगता है: जैसे – बाद में ① कवर्ग का वर्ण हो तो 'ङ' ② चवर्ग हो तो 'ञ' ③ टवर्ग हो तो 'ण' ④ तवर्ग हो तो 'न' ⑤ पवर्ग हो तो 'म' होता है। यदि वर्ग के अतिरिक्त वर्ण हैं तो म् या न् आता है।

प्र.1 दिए गए शब्दों का वर्ण-विच्छेद कीजिए।

(क) संध्या - स् + अ + न् + ध् + य् + आ

(ख) मंजू - म् + अं + ज् + ऊ

(ग) झुंड - झ् + उ + ण् + ड् + अ

(घ) तंद्रा - त् + अ + न् + द् + र् + आ

(ङ) कंठ - क् + अ + ण् + ठ् + अ

(च) संतान - स् + अ + न् + त् + आ + न् + अ

अभ्यास

प्र॰1 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखो :-

(क) महिलाओ के पास शाम को बाहर खड़े रहने के क्या-क्या कारण थे ?

उत्तर- महिलाओं के पास शाम को बाहर खड़े रहने के कई कारण थे जैसे - कुछ के बच्चे गली में खेल रहे थे उन्हे वाहनों की तेज रफ्तार से बचाने के लिए, तो कोई सब्जी खरीदने के लिए सब्जीवाले से मोलभाव करने के लिए तथा कुछ पति की राह देखने के लिए बहार खड़ी थी।

(ख) वयोवृद्ध का रेखाचित्र अपने शब्दों में लिखो।

उत्तर वयोवृद्ध एक ऐसा व्यक्ति था जिसके पाँच पुत्र थे और सभी अच्छी नौकरियों में थे फिर भी कोई अपने पिता को अपने पास रखने को तैयार नही था इसलिए वह अपनी दिनचर्या चलाने के लिए धूप मे घूम-घूमकर सामान बेचता था और अपनी दिनचर्या रोजी-रोटी कमाता था। ऐसे पुत्रों के होने से अच्छा होता वह निसंतान ही रह जाता।

प्र·2 उदाहरण के अनुसार द्वित्व व्यंजन के दो-दो उदाहरण लिखिए।

(क) क् + क = क्क - पक्का, मक्का, चक्की

(ख) च् + च = च्च - बच्चा, कच्चा, सच्चा

(ग) प् + प = प्प - चप्पल, थप्पड़, निप्पल

(घ) ल् + ल = ल्ल - मोहल्ला, बल्ला, पल्लवी

(ङ) म् + म = म्म - उम्मीद, मम्मी, चम्मच

प्र·3 दिए गए शब्दों में मूल शब्द और 'इत' प्रत्यय अलग करके लिखिए।

(क) सुगंधित - सुगंध + इत

(ख) अपमानित - अपमान + इत

(ग) धूसरित - धुसर + इत

(घ) परिचित - परिचय + इत

(ङ) सम्मानित - सम्मान + इत

(च) एकत्रित - एकत्र + इत

(च) वृद्ध की अपने बच्चों के प्रति सोच आपको कैसी लगी? आपके अनुसार वे किस सीमा तक सही या गलत थे?

उत्तर वृद्ध की अपने बच्चों के प्रति सोच हमें अच्छी लगी कोई भी अपने बच्चों के प्रति गलत नही सुन सकता है चाहे वो गलत हो या सही।

हमारे अनुसार उन्हें वृद्ध अवस्था में कार्य नही करना चाहिए। बल्कि अपने बच्चों से हर माह का खर्चा लेना चाहिए क्योंकि माता-पिता की सेवा करना बच्चों का कर्तव्य होता है।

प्र.1 सही विकल्प चुनकर उत्तर लिखो :-

(क) मंजू के द्वारा पूछने पर वृद्ध के चहरे पर जागी।
महिला का नाम

(i) विचार तंद्रा (ii) आशा के भाव
(iii) उम्मीद की किरण (iv) उम्मीद की लहर

उत्तर उम्मीद की किरण

(ख) पाँच पुत्रों के माता-पिता होने का क्या मिला था।

(i) सम्मान (ii) सौभाग्य
(iii) मूल्य (iv) दुख

उत्तर सौभाग्य

(ग) बुजुर्ग की बात सुनकर भारती पुनः कहाँ खो गई।

(i) सोच (ii) बातों
(iii) स्मृतियों (iv) दुआ

उत्तर स्मृतियों

(घ) वृद्ध पुरुष क्या बेचने आया था?

(i) सब्जी (ii) अगरबत्तियाँ
(iii) कपड़े (iv) बर्तन

उत्तर अगरबत्तियाँ

आई, और वे जाने लगे। तभी वे महिलाएँ कहने लगी - "ऐसी संतान से तो निस्संतान होना अच्छा है। कीड़े पड़े ऐसे नालायक बेटों को, भगवान उन्हें उनकी करनी का फल इसी जन्म में दें"। इतना सुनते ही वृद्ध कहने लगे - "बच्चों को बददुआ मत दो। सभी अपने-अपने कर्मों का फल भोगते हैं। मैंने और मेरी पत्नी ने भी पूर्व जन्म में कुछ दुष्कर्म किए होंगें या हमारे संस्कारों में ही कमी होगी" अन्यथा जन्म तो श्रेष्ठ पुत्रों को ही दिया था"।

बुजुर्ग की बात सुनकर भारती फिर अपनी माँ की स्मृतियों में खो गई। मरते दम तक माँ को इसी बात का दुःख था कि वह पुत्र को जन्म नहीं दे पाई। तब पिता जी ने माँ को समझाया था कि बेटा-बेटी में कोई अंतर नहीं है। संतान संस्कारी और गुणवान होना चाहिए।

भारती सोचने लगी - काश! आज माँ होती तो उन्हें पता चलता संवेदनहीन संतति के होने से श्रेष्ठ है निस्संतान होना तथा कर्तव्यहीन अमानवीय दृष्टि रखने वाले पुत्रों से बेहतर है, संवेदनशील और कर्तव्यपरायण पुत्री के माता-पिता कहलाना। तब भारती ने संकल्प लिया कि वह पिताजी को पुत्र की कमी महसूस नहीं होने देगी।

तब कहने लगे 15 रु में दे दूँगा। महिलाओ ने मोलभाव करते हुए कहा २० के दो पैकेट दे दो तो सभी 2-2 ले लेंगे। वरना रहने दो।

भारती सोच रही थी - कैसी हैं ये औरतें? बेचारे वृद्ध की मजबूरी का फायदा उठा रही हैं उसी समय वृद्ध पर भी क्रोध आया कि इस उम्र में गली-गली घूमकर अपमानित होने तथा अपरिचितों के सामने प्रार्थना करने से अच्छा तो घर पर नाती-पोतो के साथ समय व्यतीत करना चाहिए।

तभी श्री मती शर्मा ने बुजुर्ग से कहा - बाबा तुम घर में बैठकर प्रभु का भजन किया करो। धन का मोह छोड़ दो।

इसी बीच एक महिला ने पूछा "बाबा आपके बच्चे नही है क्या?" वृद्ध ने कहा - नही बेटी मैं निस्संतान नही हूँ। पाँच पुत्रों के माता-पिता होने का सौभाग्य विधाता ने मुझे और मेरी पत्नी को दिया है। मेरे सभी बच्चें उच्च पद पर नियुक्त हैं। इतना कहते-कहते उनकी आँखें छलक

Class-7

पाठ- 2

संतति

सारांश

यह कहानी एक वयोवृद्ध पुरुष की है जो गली-गली घूमकर सामान बेचता है। एक दिन वह एक मोहल्ले में गया। वहा बहुत सी औरतें शाम के समय बाहर खड़ी थी। कुछ के बच्चे गली मे खेल रहे थे. उन्हे वाहनों से बचाने के लिए, कोई सब्जीवालों से मोलभाव करके सब्जी खरीदने के लिए तो कोई अपने पति की राह देख रही थी। वही एक बच्ची जिसका नाम भारती था वह भी अपनी माँ की यादों में खोई दरवाजे पर खड़ी पिताजी की राह देख रही थी।

सभी औरतों को एक साथ देख-कर वृद्ध व्यक्ति कहने लगा, सुगंधित अगरबत्तियाँ ले लो। वहाँ खड़ी महिलाओं में से एक ने कहा - "नही चाहिए बाबा!" वृद्ध थरथराई आवाज में बोले - "सुबह से बोहनी नही हुई है बेटी एक-एक पैकेट ही खरीद लो। वृद्ध की ऐसी बातें सुनकर महिला को दया आ गई। उसने कहा - "कितने का पैकेट है?" यह सुनकर वृद्ध के चेहरे पर उम्मीद की किरण जागी।